गर्भसमापन कराने की आधुनिक, सुरक्षित, सरल व कम खर्चीली तकनीकें

पृष्ठभूमि :

अनचाहा या अनियोजित गर्भ महिला के लिए शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक रूप से कठिन हो सकता है। ऐसे में महिला के पास गर्भ को सुरक्षित रूप से समाप्त करने का अधिकार नहीं होना, सुरक्षित सेवाओं का नजदीक उपलब्ध नहीं हो पाना व उपलब्ध विकल्पों के बारे में जानकारी नहीं होना स्थिति को और जटिल बना देते हैं। इस कारण अक्सर महिलाओं को असुरक्षित तरीके से गर्भसमापन कराना पड़ता है। बहुत सी महिलाएं गर्भाशय में कोई नुकीली वस्तु डालकर या जड़ी-बूटियों वाली दवाओं से, पेट पर दबाव डालकर या जड़ी-बूटियों का काढ़ा पीकर गर्भ को समाप्त करने का प्रयास करती हैं। बहुत सी घटनाओं में, इनसे गंभीर बिमारी जैसे कि निःसंतानता, संक्रमण या फिर मृत्यु भी हो सकती है।

वर्तमान में महिलाओं के पास सुरक्षित गर्भसमापन कराने के एक से अधिक विकल्प हैं, जैसे, सिरिंज द्वारा गर्भसमापन व गोलियों द्वारा गर्भसमापन कराना। चिकित्सीय गर्भसमापन कानून के अन्तर्गत भारत में 1971 में गर्भसमापन को कानूनी रूप से मान्यता मिली।

गर्भसमापन की सुरक्षित तकनीकें

1. औषधीय गर्भसमापन (Medical Abortion) :

औषधीय गर्भसमापन (Medical abortion) एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें गर्भाशय में बिना किसी औज़ार के डाले गर्भसमापन एक भारी माहवारी के रूप में हो जाता है। इसके लिए गोलियों का प्रयोग (मिफेप्रिस्टोन (anti-projestogen) और मिसोप्रोस्टल (prostaglanding)) किया जाता है अतः इसे गोलियों द्वारा गर्भसमापन भी कहा जा सकता है। प्रसवोपरान्त रक्तस्राव आदि का प्रबंधन करने के लिए भी मिसोप्रोस्टल का प्रयोग किया जाता है। गोलियों द्वारा गर्भसमापन का विकल्प भारतीय महिलाओं के सामने अप्रैल 2002 में आया जब भारत के ड्रग कंट्रोलर (DCGI) ने गर्भसमापन कराने के लिए मिफेप्रिस्टोन को मान्यता दी।

आपातकालीन गर्भनिरोधक (ई.सी.) गोलियां, गर्भसमापन गोलियों से भिन्न होती हैं। ई.सी. गोलियां महिला में गर्भधारण होने की प्रक्रिया को रोकती है, लेकिन यदि गर्भ ठहर गया है तो यह गर्भ को समाप्त नहीं कर सकती। वहीं औषधीय गर्भसमापन में प्रयुक्त गोलियां गर्भ ठहरने के बाद गर्भसमापन की शुरूआत करती हैं।

औषधीय गर्भसमापन (Medical Abortion) से जुड़े कुछ महत्त्वपूर्ण सवाल

प्र.1 महिला की गर्भावस्था के दौरान औषधीय गर्भसमापन का प्रयोग कब किया जा सकता है ?

उ.1 औषधीय गर्भसमापन को 2 महीने की गर्भावस्था तक प्रयोग किया जा सकता है।

प्र.2 क्या महिलाएं स्वयं गर्भसमापन की गोलियां दुकान से लेकर प्रयोग कर सकती हैं ?

उ.2 नहीं! गर्भवती महिला केवल प्रशिक्षित डॉक्टर की निगरानी में या उससे परामर्श के बाद ही यह गोलियां ले सकती है। इन गोलियों का महिला पर कोई दुष्प्रभाव न हो इसके लिए गर्भवती महिला की पूरी जांच के बाद ही प्रशिक्षित डॉक्टर के द्वारा गर्भसमापन किया जाता है। महिला को कुछ विशिष्ट स्थितियों में / स्वास्थ्य समस्या में गोलियों द्वारा गर्भसमापन न करने की सलाह भी दी जाती है।

प्र.3 औषधीय गर्भसमापन की प्रक्रिया क्या है ?

उ.3 यदि महिला औषधीय गर्भसमापन कराना चाहती है तो इसके लिए उसे 3 बार स्वास्थ्य केंद्र जाना पड़ सकता है। पहली बार में उसे मिफेप्रिस्टोन गोली स्वास्थ्य केंद्र पर ही खिला दी जाती है या फिर घर पर खाने के लिए दे दी जाती है। दूसरी बार गर्भसामपन को पूर्ण करने की लिए मिसोप्रोस्टल दी जाती है और तीसरी बार प्रशिक्षित डॉक्टर के द्वारा यह जांच की जाती है कि गर्भसमापन पूरा हुआ है या नहीं अथवा कोई जटिलता तो नहीं है।

प्र.4 महिलाएं औषधीय गर्भसमापन कराना क्यों पसंद करती हैं ?

उ.4
- क्योंकि यह सुरक्षित हैं
- गोपनीयता बनी रहती है
- स्वतः गर्भसमापन की तरह होता है
- गर्भाशय के अन्दर कोई औज़ार नहीं डाले जाते हैं
- बेहोश करने की जरूरत नहीं पड़ती है
- यदि महिला का घर स्वास्थ्य केंद्र के नजदीक है, तो एक या दोनों दवाएं घर पर ली जा सकती हैं

प्र.5 औषधीय गर्भसमापन के कितने समय बाद महिला यौन संबंध पुनः आरंभ कर सकती है ?

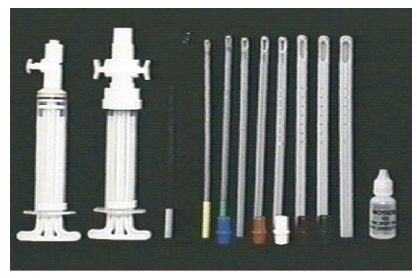

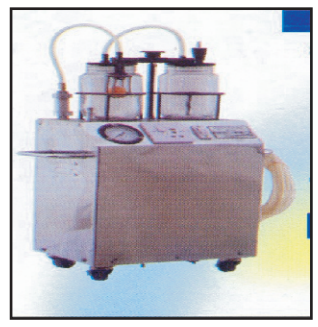

उ.5 औषधीय गर्भसमापन होने के बाद, महिला को दवा लेने के एक सप्ताह बाद तक या जब तक वह तैयार महसूस न करे, तब तक यौन संबंध नहीं बनाए।

औषधीय गर्भसमापन के फायदे

- आपरेशन थिएटर की जरूरत नहीं होती
- गर्भसमापन स्वतः गर्भसमापन की तरह होने से गोपनीयता बनी रहती है
- 93-95 प्रतिशत महिलाओं में असरदार होता है।

अर्थ, उदयपुर

रक्तस्राव : आम माहवारी की तुलना में रक्तस्राव ज्यादा और लम्बे समय तक चलता है। गोली देने के 3 से 6 घण्टे बाद रक्तस्राव सबसे ज्यादा होता है आमतौर पर एक सप्ताह तक चलता है।

दर्द : महिलाओं का दर्द का अनुभव अलग अलग हो सकता है। एक तिहाई और दो-तिहाई के बीच महिलाओं को केवल हल्का दर्द अनुभव होता है और उन्हें दर्द निवारक दवा लेने की आवश्यकता भी नहीं पड़ती। अन्य महिलाओं को माहवारी के समान तेज ऐंठन अनुभव हो सकती है।

जी मिचलाना, उल्टी और दस्त : गोलियों द्वारा गर्भसमापन करवाने वाली महिलाओं में से लगभग आधी महिलाओं में जी मिचलाने की शिकायत हो सकती है, जबकि उल्टी की संभावना 1/3 से भी कम महिलाओं में होती है। ये लक्षण गर्भावस्था एवं गर्भसमापन गोलियों से संबंधित हैं। आमतौर पर दूसरी बार गोली लेने के कुछ घंटे बाद कम हो जाते हैं।

बुखार या कंपकपी / सिरदर्द : कुछ देर के लिए बुखार या कंपकपी भी महसूस हो सकती है।

प्र.6 एक महिला को कैसा पता चलेगा कि गर्भ समाप्त हो गया है या नही ?

उ.6 यदि दवा लेने के बाद कोई रक्तस्राव न हो, बहुत कम रक्तस्राव हो या उसे गर्भ के लक्षण अनुभव होते रहें तो उसे डॉक्टर से मिलना चाहिए।

प्र.7 औषधीय गर्भसमापन के क्या दुष्प्रभाव होते हैं ?

उ.7 अधिकतर महिलाओं को स्वतः हुए गर्भसमापन या भारी माहवारी की तरह ही दर्द और रक्तस्राव होता है। कभी कभी जी घबराना, सिर दर्द, बुखार, कंपकपी या सर्दी भी महसूस हो सकती है।

2. वैक्यूम एस्पिरेशन तकनीक (Vacuum Aspiration)

वैक्यूम एस्पिरेशन गर्भसमापन कराने की सुरक्षित, सरल व आधुनिक तकनीक है । इसे दो प्रकार से प्रयोग किया जाता है - मैन्युअल वैक्यूम एस्पिरेशन (MVA) व इलेक्ट्रिक वैक्यूम एस्पिरेशन (EVA).

मैन्युअल वैक्यूम एस्पिरेशन

इलेक्ट्रिक वैक्यूम एस्पिरेशन

अर्थ, उदयपुर

गर्भसमापन की वैक्यूम एस्पिरेशन तकनीक के फायदे

- इस तकनीक में गर्भाशय की सफाई एक वैक्यूम से जुड़े प्लास्टिक या धातु की नली के द्वारा होती है
- गर्भसमापन की प्रक्रिया कम समय लेती है। यह समय गर्भावस्था की अवधि पर निर्भर करता है
- ग्रामीण क्षेत्रों में भी किया जा सकता है
- सुरक्षित प्रक्रिया है, एक बार में गर्भसमापन पूरा हो जाता है
- भर्ती करने की आवश्यकता नहीं पड़ती
- बेहोश करना या तेज दर्द निवारक दवाएं देना जरूरी नहीं होता जिससे खर्चा भी कम होता है

डायलेटेशन एवं क्यूरेटाज (D&C) तकनीक

यह गर्भसमापन कराने की पुरानी तकनीक है। इसमें नुकीले औज़ारों का उपयोग किया जाता है जिससे प्रक्रिया बहुत पीड़ादायक होती है व जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है। इस कारण इसमें एनेस्थीसिया या तेज़ दर्द निवारक दवाओं की आवश्यकता पड़ती है और अक्सर महिला को अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है, व खर्च भी उठाना पड़ता है। इसके लिए बड़े स्तर पर ओपरेशन सेटिंग की आवश्यकता होती है जिससे ग्रामीण इलाकों में यह सुविधा नहीं दी जा सकती है।

अतः विकल्प हो तो आधुनिक तकनीक (गोलियां व वैक्यूम एस्पिरेशन) से ही गर्भसमापन कराएं

यदि गर्भसमापन के बाद गर्भनिरोधक साधन नहीं अपनाया जाए तो महिला अपनी पहली माहवारी से पहले भी गर्भवती हो सकती है। अतः गर्भसमापन के बाद अगले अनचाहे गर्भ को रोकने के लिए महिला / दम्पत्ति गर्भनिरोधक साधन जल्दी शुरु करें।

अर्थ
772, फतेहपुरा, उदयपुर 313004, राजस्थान, www.arth.in
सहयोग : SIDA (Swedish International Development Agency)